(13)

बी.एच.डी.ए-101/ए.एफ.डब्ल्यू (एच)

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2008 - जून 2009

पाठ्यक्रम कोड :बी.एच.डी.ए-101/ ए.एफ.डब्ल्यू (एच)
समाचार पत्र और फीचर लेखन/फीचर लेखन में व्यवहार मूलक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

समाचार पत्र और फीचर लेखन/फीचर लेखन में व्यवहार मूलक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड :बी.एच.डी.ए-101/ ए.एफ.डब्ल्यू (एच)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

समाचार पत्र और फीचर लेखन/फीचर लेखन से संबंधित व्यवहार मूलक पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किया गया है।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें। इस पाठ्यक्रम में आपको फीचर लेखन का व्यवहारिक ज्ञान कराया गया है। सत्रीय कार्य में हमने अधिकांश प्रश्न ऐसे दिए हैं, जिनसे फीचर लेखन की आपकी कुशलता की जाँच हो सके। इससे आपको फीचर लेखन में अपनी क्षमता का विकास करने में मदद मिलेगी तथा जाँचे हुए सत्रीय कार्यों से आप अपनी त्रुटियों और कमजोरियों को पहचान सकेंगे और उन्हें दूर कर सत्रांत परीक्षा में बेहतर परिणाम दे सकेंगे।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1) ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3) अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के प्रथम पृष्ठ के मध्य भाग में पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केंद्र का उल्लेख कीजिए ।

4) उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ निम्न प्रकार से शुरू होगा :

अनुक्रमांक : ....
नाम : ....
पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड :.................................. ....
सत्रीय कार्य कोड : ....
अध्ययन केंद्र का नाम/कोड : .... दिनांक : ....

---

5) उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन कागज़ों को अच्छी तरह से बाँध लें।

6) प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और उत्तर अपनी ही लिखावट में दें।

7) सत्रीय कार्य पूरा करके इसे जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास **31 मार्च, 2009 तक अवश्य जमा करा दें।**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं - सैद्धान्तिक और व्यवहारिक लेखन से संबंधित प्रश्न।

उत्तर देने के लिए अगर आप निम्नलिखित विधि से तैयारी करेंगे तो आपके लिए लाभप्रद होगा :

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए। व्यवहारिक लेखन से संबंधित प्रश्नों को करने के लिए इकाइयों को पढ़ने के साथ-साथ पत्र-पत्रिकाओं में छपने वाले फीचर लेखों का अध्ययन करें। इनसे आपको सत्रीय कार्य करने में मदद मिलेगी।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) वाक्यों और अनुच्छेदों (Paragraphs) के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,

ग) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतता अनुकूल हो

घ) उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

ड.) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबधी गलतियों से बचें।

3) **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरें में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

4.) **विशेष :** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

सत्रीय कार्य
(खण्ड 1 से 5 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड - बी डी पी/ बी.एच.डी.ए-101/ए.एफ.डब्ल्यू (एच)
सत्रीय कार्य कोड - बी.एच.डी.ए-101/ए.एफ.डब्ल्यू (एच)/टी एम ए/2008
कुल अंक - 100

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए : 10x2=20

(क) फीचर का अभिप्राय बताते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
(ख) पुस्तक समीक्षा में किन बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
(ग) सामाजिक एवं सांस्कृतिक फीचर का महत्व बताइए।
(घ) पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए बताइए कि पर्यावरण पर फीचर लिखने से किस तरह की जागरूकता उत्पन्न की जा सकती है।

2. निम्नलिखित विषयों पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणियाँ लिखिए : 5x4=20

(क) फीचर लेखन के नियम
(ख) मूल्यांकनपरक समस्या
(ग) राजनीतिक फीचर की भाषा
(घ) यात्रा लेखन का उद्देश्य

3. एक ऐसी यात्रा का वृतांत लिखिए जिसमें पहाड़ी क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन का अनुभव व्यक्त हो। 15

4. आजकल 'स्त्री विमर्श' साहित्य के केन्द्र में है। महिलाओं से संबंधित लेखन भी भरपूर हो रहा है लेकिन अधिकांश घरेलू स्त्रियाँ पढ़ने में रुचि नहीं लेतीं। इस समस्या पर एक ऐसा फीचर लेख लिखिए जिसमें महिलाओं के सम्मान का भी पूरा ध्यान रखा गया हो और उससे उन्हें प्रेरणा भी मिले। 15

5. अपने संज्ञान के आधार पर किसी ऐसे व्यक्ति का व्यक्ति-चित्र तैयार कीजिए जिसने अपना जीवन पर्यावरण रक्षा के लिए समर्पित कर दिया हो।
15

अथवा

वर्तमान छात्र राजनीति पर एक फीचर लेख तैयार कीजिए।

6. अपनी किसी प्रिय पुस्तक की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

एक अच्छे समीक्षक के गुणों का उल्लेख कीजिए।

SOH/IGNOU/P.O. 2T/March 2008
Printed at : Sabina Printing Press, 387/24, kridabad